


06/6

पत्रा में पत्रा डूरी कभी ठ प्राची  
व प्राची का कृपु पत्रिके । इतः  
इतः प्रकरणा इतः घबरी  
इतः प्ररी के प्रारिज किता  
जका ही प्रजा व प्री प्री ह शुभ  
के न न न न के न न दी

  
साहायक कलेक्टर  
भंडीसावड़ी

